PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. V

Paper No. VII

विशेष लेखक : भगवानदास मोरवाल

With effect from June - 2021-2022

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष लेखक प्रश्नपत्र कमांक 7

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

पाँचवा सत्र

प्रस्तावना :

हिंदी के बहुमुखी रचनाकार के रूप में भगवानदास मोरवाल का नाम उल्लेखनीय है। उन्होंने उपन्यास, कहानी, संस्मरण आदि विभिन्न विधाओं में अपनी कलम चलाई है। अपने लेखन के माध्यम से कई उपेक्षित संदर्भों को अपने लेखन का विषय बनाया है। लोकजीवन और वहाँ का परिवेश उनके लेखन से सजीव हो उठा है। दलित, वंचित वर्ग को साहित्य के माध्यम से उजागर करने का कार्य उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से किया है।लोक संस्कृति, स्त्री जीवन, शिक्षा व्यवस्था, सांप्रदायिकता, सामाजिक व्यवस्था जैसे कई पहलू उनके चिन्तन का विषय रहे हैं। भगवानदास मोरवाल कृत 'प्रतिनिधि कहानियाँ' समाज के भीतर समानता और अस्मिता के लिए चल रहे मंथन एवं संघर्ष की कहानियाँ है। इसमें समाज जीवन के विविध आयामों का जो रेखांकन हुआ है।

उद्देश्य :

1. भगवानदास मोरवाल के व्यक्तित्व को परिचित कराना।
2. भगवानदास मोरवाल के लेखन से अवगत कराना।
3. प्रतिनिधि कहानियों के विषय विविधता से परिचित कराना।
4. कहानियों के कलापक्ष एवं भावपक्ष से रू–ब–रू कराना।

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

B.A. Part III, Subject- Hindi

CBCS Pattern syllabus (w.e.f. June 2021-22)

SEMISTER V

Paper No.	Type	Title of the Paper	Lecture + Tutorial	Credits			Marks	UA		CA	
				L	T	Total					
VII	Elective	विशेष लेखक: भगवानदास मोरवाल	60	3	1	04	50	40	16	10	04
VIII	Elective	काव्यशास्त्र	60	3	1	04	50	40	16	10	04
IX	Elective	आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (संवत 1050 से 1900 तक)	60	3	1	04	50	40	16	10	04
X	Elective	प्रयोजनमूलक हिंदी	60	3	1	04	50	40	16	10	04
XI	Elective	हिंदी भाषा	60	3	1	04	50	40	16	10	04

SEMISTER VI

Paper No.	Type	Title of the Paper	Lecture + Tutorial	Credits			Marks	UA		CA	
				L	T	Total					
VII	Elective	विशेष लेखक: भगवानदास मोरवाल	60	3	1	04	50	40	16	10	04
VIII	Elective	आलोचना	60	3	1	04	50	40	16	10	04
IX	Elective	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन 1900 से 2010 तक)	60	3	1	04	50	40	16	10	04
X	Elective	व्यावहारिक हिंदी	60	3	1	04	50	40	16	10	04
XI	Elective	भाषाविज्ञान	60	3	1	04	50	40	16	10	04

Add on Course

	Lecture + Project Report work	Credits	Marks	UA		CA	
रोजगारपरक हिंदी	60	04	50	40	16	10	04

- Apart from the above course the student can choose Swayam/NPTL course as a Add on course.
- The student can choose as a Add on course from the courses started by the skill development centre of the University

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. VII SEM. V
[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]
Total Theory Lectures-(60), Credit 4

पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि कहानियाँ–भगवानदास मोरवाल

किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम पेपरबैक संस्करण, 2014, मूल्यः 150

• अध्ययनार्थ विषय

इकाई 1 **(Lectures 15, Credit 1)**

1. भगवानदास मोरवाल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. भगवानदास मोरवाल की कहानियों का वैचारिक पक्ष
3. भगवानदास मोरवाल के कहानियों की विशेषताएँ

इकाई 2 **(Lectures 15, Credit 1)**

1. बस, तुम न होते पिताजी
2. बियाबान
3. सौदा

इकाई 3 **(Lectures 15, Credit 1)**

1. चोट
2. रंग–अबीर
3. सीढ़ियाँ,माँ और उसका देवता

इकाई 4 **(Lectures 15, Credit 1)**

1. वे तीन
2. छल

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1 बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2 लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	10

कुल अंकः 40

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-V	Name of the New Paper SEM-V
1.	विशेष लेखिका : कृष्णा सोबती	विशेष लेखक : भगवानदास मोरवाल

संदर्भ ग्रंथ

1. गोपाल राय – हिंदी कहानी का इतिहास
2. संजीव कुमार – हिंदी कहानी की इक्कीसवीं सदी पाठ के पास : पाठ से परे,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3. डॉ. साधना शाह – हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
4. नरेन्द्र मोहन – आधुनिकता के संदर्भ में हिंदी कहानी
5. सं. लोकेश कुमार गुप्ता, लोकमन का सिरजनहार : भगवानदास मोरवाल

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. VI

Paper No. XII

विशेष लेखक : भगवानदास मोरवाल

With effect from June 2021-22

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष लेखक प्रश्नपत्र कमांक 12

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

छठा सत्र

प्रस्तावना :

हिंदी के बहुमुखी रचनाकारों के रूप में भगवानदास मोरवाल का नाम लिया जाता है। जिन्होंने उपन्यास, कहानी, संस्मरण, जैसे विभिन्न विधाओं पर अपनी कलम चलाई। अपने लेखन के माध्यम से कई सारे अनछूए विषय को अपने लेखनी का विषय बनाया। ग्रामीण जीवन और वहाँ का परिवेश उनके लेखन से सजीव हो उठता है। दलित, वंचित वर्ग को साहित्य के माध्यम से समाज के सामने लाने का कार्य उन्होंने अपने लेखनी के माध्यम से किया है। स्त्री जीवन, शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था जैसे कई पहलू उनके चिन्तन के विषय रहे हैं। उन्होंने हिंदी उपन्यास विधा में कई नये संदर्भों को रेखांकित कर अपनी पहचान बनाई है। भगवानदास मोरवाल कृत 'शकुंतिका' उपन्यास पुरूष प्रधान समाज में स्त्री महत्ता को दर्शाते हुए उनके जीवन के विभिन्न पक्षों को अभिव्यक्ति देता है।

उद्देश्य :

1. भगवानदास मोरवाल के उपन्यास संसार का परिचय कराना।
2. 'शंकुतिका' उपन्यास का तात्विक अध्ययन कराना।
3. शंकुतिका उपन्यास की विशेषताओं को समझाना।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. XII SEM. VI
[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]
Total Theory Lectures-(60), Credit 4

पाठ्यपुस्तक : शकुंतिका (उपन्यास) – भगवानदास मोरवाल

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2020

• अध्ययनार्थ विषय

इकाई 1 **(Lectures 15, Credit 1)**

1. भगवानदास मोरवाल का उपन्यास संसार
2. भगवानदास मोरवाल के उपन्यासों की विशेषताएँ
3. शंकुतिका उपन्यास और नारी विमर्श

इकाई 2 **(Lectures 15, Credit 1)**

1. शंकुतिका उपन्यास की कथावस्तु एवं चरित्र–चित्रण

इकाई 3 **(Lectures 15, Credit 1)**

1. शंकुतिका उपन्यास के संवाद तथा देशकाल–वातावरण

इकाई 4 **(Lectures 15, Credit 1)**

1. शंकुतिका उपन्यास की भाषा शैली और उद्देश्य

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1 बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2 लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	10

—————————

कुल अंकः 40

———————————————————————————————————————

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-VI	Name of the New Paper SEM-VI
1	विशेष लेखिका : कृष्णा सोबती	विशेष लेखक : भगवानदास मोरवाल

संदर्भ ग्रंथ

1. पूनम सिन्हा – हिंदी उपन्यास, प्रतिरोध का आख्यान
2. डॉ.नैया – उपन्यास का लोकधर्म
3. सं. डॉ.अनिल सिंह–शकुंतिका – सृजन और दृष्टि
4. डॉ.मधु खराटे – उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल
5. मधुरेश – हिंदी उपन्यास का विकास
6. गोपाल राय – हिंदी उपन्यास का इतिहास
7. डॉ.दिलीप मेहरा – दलित संदर्भ और हिंदी उपन्यास
8. डॉ.साहेबहुसैन जहागीरदार – इक्कीसवीं सदी के हिंदी उपन्यास – विविध विमर्श
9. पुष्पपाल सिंह – 21 वीं शती का हिंदी उपन्यास
10. रोहिणी अग्रवाल – हिंदी उपन्यास का स्त्री–पाठ

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. V

Paper No. VIII

काव्यशास्त्र

With effect from June - 2021-2022

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष प्रश्नपत्र क्रमांक 8

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

पाँचवा सत्र

प्रस्तावना :

किसी रचना के गठन, भाव तथा मूल्य उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र का ज्ञान होना आवश्यक होता है। काव्यशास्त्र के अध्ययन से पाठकों की दृष्टि एवं सोच में परिवर्तन आता है। साहित्य के माध्यम से समाज की ओर देखने का दृष्टिकोण बदलता है। साहित्य के कलापक्ष को समझने के लिए और मूल्यों को बनाए रखने में काव्यशास्त्र का अध्ययन विशेष महत्त्व रखता है।

उद्देश्य :

1. साहित्य निर्मिति की प्रक्रिया का बोध कराना।
2. साहित्य/काव्य के भेदों से अवगत कराना।
3. साहित्य की नवीन विधाओं का परिचय कराना।
4. गद्य तथा पद्य के तत्वों को समझना।
5. शब्दों की शक्ति को समझना।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. VIII SEM. V

[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 4

• **अध्ययनार्थ विषय**

इकाई 1 साहित्य (**Lectures 15, Credit 1**)

1 परिभाषा, तत्व, प्रेरणा तथा प्रयोजन (भारतीय तथा पाश्चात्य)

2 शब्द–शक्ति, स्वरूप, शब्द–शक्ति के भेद–अभिधा, लक्षणा, और व्यंजना का सामान्य परिचय

इकाई 2 काव्यभेद (**Lectures 15, Credit 1**)

1. महाकाव्य (भारतीय तथा पाश्चात्य)
2. प्रगीत और उसकी विशेषताएँ
3. ग़ज़ल का सामान्य परिचय

इकाई 3 गद्यभेद (**Lectures 15, Credit 1**)

1. नाटक–परिभाषा, पाश्चात्य तत्व
2. उपन्यास–परिभाषा, तत्व

इकाई 4 गद्यभेद (**Lectures 15, Credit 1**)

1. कहानी–एकांकी, निबंध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण,
   रेखाचित्र, रिपोर्ताज का सामान्य परिचय

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1 बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2 लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
	———
कुल अंकः 40	

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-V	Name of the New Paper SEM-V
1.	काव्यशास्त्र	काव्यशास्त्र

संदर्भ ग्रंथ

1. भगीरथ मिश्र – काव्यशास्त्र
2. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत – शास्त्रीय समीक्षा के सिध्दांत
3. डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत
4. डॉ.तेजपाल चौधरी – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य की रूपरेखा
5. डॉ.चंद्रभानु सोनवणे – साहित्यशास्त्र
6. डॉ.संजय नवले – साहित्यशास्त्र
7. सुमन मलिक – साहित्य विवेचन
8. डॉ.विठ्ठल भालेराव – भारतीय साहित्यशास्त्र
9. डॉ.ज्ञानराज गायकवाड – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
10. कुमार विमल – सौंदर्यशास्त्र के तत्व
11. डॉ.रविंद्रकुमार शिरसाट – साहित्यिक विमर्श
12. सं.मधु खराटे – काव्यशास्त्र : विविध आयाम
13. रामेश्वरलाल खंडेलवाल – आलोचना के आधारस्तंभ
14. सं.शांतिस्वरूप गुप्त – साहित्यिक निबंध
15. देशराजसिंह भाटी – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. VI

Paper No. XIII

आलोचना

With effect from June 2021-22

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष प्रश्नपत्र कमांक 13

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

छठा सत्र

प्रस्तावना :

किसी भी रचना के पढ़ने के पश्चात रसास्वाद की आवश्यकता अधिक होती है। रचना रसास्वाद से युक्त हो तो पाठकों में उत्साह निर्माण होता है। इसी दृष्टि से साहित्य के उपादानों का प्रयोग तथा साहित्य में उतरे गुणों को परखना महत्वपूर्ण होता है जिससे साहित्य के मर्म तथा मूल्यों को परखा जाता है। अतः इन्हें परखने के लिए समालोचना की आवश्यकता होती है। समालोचना लेखक और पाठक दोनों के लिए आवश्यक होती है।

उद्देश्य :

1. छात्रों को साहित्य के उपकरणों को समझना।
2. रसानुभूति की प्रकिया को समझना।
3. साहित्य के मूल्य, गुणों को पहचानना।
4. आलोचना के माध्यम से विभिन्न आलोचना पध्दतियाँ तथा विभिन्न विमर्शों को समझना।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. XIII SEM. VI

[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 4

• **अध्ययनार्थ विषय**

इकाई 1 साहित्य के उपकरण (**Lectures 15, Credit 1**)

1 बिंब विधान

2. मिथक

3 प्रतीक

4 फंतासी का सामान्य परिचय

इकाई 2 आलोचना (**Lectures 15, Credit 1**)

1. आलोचना की परिभाषा, स्वरूप, आलोचक के गुण

2. आलोचना के प्रकार 1. व्याख्यात्मक 2. ऐतिहासिक, 3. तुलनात्मक 4. मार्क्सवादी

इकाई 3 विभिन्न विमर्श (**Lectures 15, Credit 1**)

1. स्त्री विमर्श
2. किसान विमर्श
3. आदिवासी विमर्श
4. किन्नर विमर्श

इकाई 4 रस (**Lectures 15, Credit 1**)

1. रस की परिभाषा
2. रस के अंगों का सामान्य परिचय
3. रस के भेद–श्रृंगार, वीर,करूण, अद्भुत, भयानक,रौद्र,बीभत्स, हास्य, शांत रस का सोदाहरण परिचय

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1 बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2 लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	10

—————————

कुल अंकः 40

———————————————————————————————————————

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-VI	Name of the New Paper SEM-VI
1.	आलोचना	आलोचना

संदर्भ ग्रंथ

1. भगीरथ मिश्र – काव्यशास्त्र
2. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत – शास्त्रीय समीक्षा के सिध्दांत
3. डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत
4. डॉ.तेजपाल चौधरी – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य की रूपरेखा
5. डॉ.चंद्रभानु सोनवणे – साहित्यशास्त्र
6. डॉ.संजय नवले – साहित्यशास्त्र
7. सुमन मलिक – साहित्य विवेचन
8. डॉ.विठ्ठल भालेराव – भारतीय साहित्यशास्त्र
9. डॉ.ज्ञानराज गायकवाड – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
10. कुमार विमल – सौंदर्यशास्त्र के तत्व
11. डॉ.रविंद्रकुमार शिरसाट – साहित्यिक विमर्श
12. सं.मधु खराटे – काव्यशास्त्र : विविध आयाम
13. रामेश्वरलाल खंडेलवाल – आलोचना के आधारस्तंभ
14. सं.शांतीस्वरूप गुप्त – साहित्यिक निबंध
15. देशराजसिंह भाटी – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. V

Paper No. IX

आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास
(संवत् 1050 से 1900 तक)

With effect from June - 2021-2022

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष प्रश्नपत्र क्रमांक 9

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

पाँचवा सत्र

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य के आदिलकालीन और मध्यकालीन इतिहास से छात्रों को अवगत कराने के हेतु से इस प्रश्नपत्र का निर्धारण किया गया है। साथ ही इस साहित्येतिहास में किन दार्शनिक विचारधाराओं का असर साहित्यकारों पर किस रूप में पड़ा इसका विवेचन भी इतिहास के अध्येताओं के लिए आवश्यक है। हिंदी साहित्य के इतिहास की कालजयी रचनाएँ एवं रचनाकारों के सामान्य परिचय के बिना समग्र इतिहास का अध्ययन नहीं हो सकेगा। इन सभी बातों को केंद्र में रखकर ही हिंदी साहित्य के इतिहास का कालानुरूप विकास छात्रों के अध्ययन हेतु रखा गया है।

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्य की दार्शनिक पूर्वपीठिका से परिचित कराना।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचयात्मक अध्ययन।
3. हिंदी साहित्य की आदिकालीन और मध्यकालीन कालजयी रचनाएँ तथा रचनाकारों का सामान्य परिचय।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास के कालानुरूप विकास का अध्ययन।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. IX SEM. V

[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]
Total Theory Lectures-(60), Credit 4

- **अध्ययनार्थ विषय**

इकाई 1 काल विभाजन **(Lectures 15, Credit 1)**

हिंदी साहित्य का काल विभाजन तथा नामकरण

इकाई 2 आदिकाल **(Lectures 15, Credit 1)**

1. आदिकाल की सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ
2. आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ
3. प्रतिनिधि रचनाएँ : पृथ्वीराज रासो और बीसलदेव रासो
4. प्रतिनिधि रचनाकार : अमीर खुसरो और विद्यापति

इकाई 3 भक्तिकाल **(Lectures 15, Credit 1)**

1. भक्तिकाल की सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ
2. निर्गुण भक्ति काव्यधारा :
   अ. ज्ञानाश्रयी शाखा की विशेषताएँ, कबीर का सामान्य परिचय
   आ. प्रेमाश्रयी शाखा की विशेषताएँ, जायसी का सामान्य परिचय
3. सगुण भक्ति काव्यधारा :
   अ. रामभक्ति शाखा की विशेषताएँ, तुलसीदास का सामान्य परिचय
   आ. कृष्णभक्ति शाखा की विशेषताएँ, सूरदास का सामान्य परिचय
   इ. प्रमुख रचनाकार : रैदास, मीराबाई

इकाई 4 रीतिकाल **(Lectures 15, Credit 1)**

1. रीतिकालीन साहित्य की विशेषताएँ
2. प्रमुख रचनाकार : भूषण, बिहारी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1 बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2 लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
	———
कुल अंकः 40	

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-V	Name of the New Paper SEM-V
1.	आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (संवत् 1050 से 1900 तक)	आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (संवत् 1050 से 1900 तक)

संदर्भ ग्रंथ

1. आ.रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
2. डॉ.ईश्वरदत्त शील – हिंदी साहित्य का मध्यकाल
3. डॉ.शिवकुमार शर्मा – हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ
4. प्रो.सुरैय्या शेख – हिंदी साहित्य : एक सरल परिचय
5. डॉ.गुलाबगिरी जे. अपारनाथी – हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास
6. डॉ.बच्चन सिंह – हिंदी साहित्य का इतिहास
7. डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त – हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
8. htpps://youtu.be/5rH3ucV4ix4
9. htpps://youtu.be/oEE-6LWTWC4
10. htpps://youtube.com/playlist?

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. VI

Paper No. XIV

आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
(सन् 1900 से 2010 तक)

With effect from June 2021-22

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष प्रश्नपत्र कमांक 14

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

छठा सत्र

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के इतिहास से छात्रों को अवगत कराने के हेतु से इस प्रश्नपत्र का निर्धारण किया गया है। साथ ही आधुनिक हिंदी साहित्य पर जिन दार्शनिक विचारधाराओं का असर हुआ है उनका विवेचन भी पाठ्यक्रम मे किया जाएगा। हिंदी के आधुनिक रचनाकार, उनकी कृतियाँ, विभिन्न वाद एवं विभिन्न विमर्श के अध्ययन के साथ विविध विधाओं के विकास का अध्ययन इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है।

उद्देश्य :

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की दार्शनिक पूर्वपीठिका से परिचित कराना।
2. आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचयात्मक अध्ययन कराना।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य के रचनाकारों का सामान्य परिचय कराना।
4. आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास के कालानुरूप विभिन्न वाद एवं विधाओं के विकास का अध्ययन

   कराना।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. XIV SEM. VI

[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 4

- **अध्ययनार्थ विषय**

इकाई 1 आधुनिक हिंदी काव्य का परिचय **(Lectures 15, Credit 1)**

1 पद्य विभाग : आधुनिक काव्यधाराओं का उद्भव और विकास

इकाई 2 विविध प्रवृत्तियाँ **(Lectures 15, Credit 1)**

1. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद
2. हिंदी स्त्रीवादी कविता, हिंदी दलित कविता

इकाई 3 आधुनिक गद्य विधाओं का उद्भव और विकास **(Lectures 15, Credit 1)**

1. उपन्यास
2. कहानी
3. नाटक
4. एकांकी

इकाई 4 रचनाकारों का सामान्य परिचय **(Lectures 15, Credit 1)**

1. मोहन राकेश 2. मृदुला गर्ग 3. मैत्रेयी पुष्पा 4. नरेंद्र कोहली
5. अमरकांत 6. मन्नू भंडारी 7. संजीव

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1 बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2 लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	10

————————

कुल अंकः 40

———

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-VI	Name of the New Paper SEM-VI
1.	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1900 से 2010 तक	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1900 से 2010 तक)

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.ईश्वरदत्त शील, डॉ. आभारानी – हिंदी साहित्य का आधुनिक काल
2. सुमन राजे – हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
3. डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे – आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
4. डॉ.चंद्रभानु सोनवणे – हिंदी साहित्य का सही इतिहास
5. शंभुनाथ पाण्डेय – आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
6. प्रो.सुरैय्या शेख – हिंदी साहित्य : एक सरल परिचय
7. डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास
8. https://youtu.be/7y7D6iVBoTw
9. https://youtu.be/X3ZeeCsIYGM
10. https://youtu.be/VeVGP2IJRnO

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. V

Paper No. X

प्रयोजनमूलक हिंदी

With effect from June - 2021-2022

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष प्रश्नपत्र कमांक 10

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

पाँचवा सत्र

प्रस्तावना :

प्रयोजनमूलक हिंदी यह हिंदी का एक महत्वपूर्ण रूप है। राजभाषा हिंदी के रूप में हिंदी प्रशासन और कार्यालय की भाषा के रूप में विकसित हुई। सूचना प्रौद्योगिकी के युग में तो इसका महत्त्व और प्रासंगिकता अधिक बढ़ गई है। कार्यालयीन हिंदी के साथ हिंदी भाषा जनसंचार माध्यमों में निरंतर नये आयामों को उद्घाटित कर रही है। परंपरागत संदर्भ स्रोतों के सिवा अब भाषा और लिपि के नये संसाधन भी विकसित हो रहे हैं। विश्वभाषा के तौर पर हिंदी ने एक नया रूप प्राप्त किया है। हिंदी भाषा के इस प्रयोजनमूलक रूप का और उसके विविध आयामों का अध्ययन न केवल महत्वपूर्ण है अपितु प्रासंगिक भी है।

उद्देश्य :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप एवं विकास से छात्रों को परिचित कराना।
2. आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग एवं संभावनाओं से छात्रों को परिचित कराना।
3. हिंदी के प्रयोग के प्रति रूचि जगाकर पत्राचार संबंधी क्षमता विकसित करना।
4. कार्यालयीन पत्राचार से छात्रों को अवगत कराना।
5. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौशल विकसित करना।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. X SEM. V
[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]
Total Theory Lectures-(60), Credit 4

- **अध्ययनार्थ विषय**

इकाई 1 प्रयोजनमूलक हिंदी (**Lectures 15, Credit 1**)

1 प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूपगत विशेषताएँ

2 प्रयोजनमूलक हिंदी : व्यवहार क्षेत्र

3. प्रयोजनमूलक हिंदी की उपयोगिता

इकाई 2 जनसंचार माध्यम (**Lectures 15, Credit 1**)

1. समाचार लेखन के तत्व

2. समाचार लेखक के गुण

3. पटकथा लेखन

4. वृत्तांत लेखन (सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक संदर्भ पर)

इकाई 3 कार्यालयीन पत्राचार (**Lectures 15, Credit 1**)

1. कार्यालयीन पत्राचार : स्वरूप एवं प्रकार

2. नौकरी के लिए आवेदन पत्र

3. पदाधिकारियों के नाम पत्र

4. सरकारी पत्र

इकाई 4 संदर्भ स्रोत (**Lectures 15, Credit 1**)

1. कोश ग्रंथ : सामान्य परिचय

2. पारिभाषिक शब्दावली : सामान्य परिचय

3. हिंदी पत्र–पत्रिकाएँ : सामान्य परिचय

4. हिंदी पोर्टल और वेबसाइट

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1	बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2	लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3	दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4	दीर्घोत्तरी प्रश्न	10

————————

कुल अंकः 40

——————————————————————————————————————

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-V	Name of the New Paper SEM-V
1.	प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रयोजनमूलक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ

1. विनोद गोदरे – प्रयोजनमूलक हिंदी
2. भोलानाथ तिवारी – राजभाषा हिंदी
3. डॉ.दंगल झालटे – प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दांत और प्रयोग
4. कैलाशनाथ पांडेय – प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका
5. सं.डॉ.रवींद्रनाथ श्रीवास्तव – प्रयोजनमूलक हिंदी
6. डॉ.अर्जुन तिवारी – संपूर्ण पत्रकारिता
7. डॉ.माधव सोनटक्के – प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और अनुवाद
8. htpps://Wikipedia.org/wiki/ प्रयोजनमूलक हिंदी
9. www.cstt.nic.in
10. www.rajbhasha.nic.in
11. www.google.com/Top/world/Hindi

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. VI

Paper No. XV

व्यावहारिक हिंदी

With effect from June 2021-22

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष प्रश्नपत्र कमांक 15

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

छठा सत्र

प्रस्तावना :

व्यावहारिक हिंदी के रूप में हिंदी भाषा का बहुमुखी विकास हो रहा है। हिंदी का बैंक, दूरदर्शन, सरकारी कार्यालय, रेल, मीडिया, फिल्म, इंटरनेट, विज्ञापन आदि में बडे पैमाने पर प्रयोग हो रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी हिंदी की महत्ता को स्वीकार कर उसके जरिए अपना व्यवहार शुरू किया है। सभी स्थानों पर अब हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है। हिंदी ने अनुवाद के माध्यम एक ओर भारतवर्ष को जोड़ने में सेतु का कार्य किया है तो दूसरी ओर वैश्विक संदर्भ, ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी को अपनाकर स्वयं को उसके अनुकूल बनाया है। हिंदी के इस रूप ने रोजगार में कई अवसर मुहैया कर दिए हैं। अतः हिंदी के इस रूप को जानना अनिवार्य है।

उद्देश्य :

1. अनुवाद का स्वरूप और महत्त्व से अवगत कराना।
2. विज्ञापन की दुनिया और व्यवहार से परिचित कराना
3. अनुवाद और विज्ञापन लेखन की क्षमता विकसित करना।
4. वाणिज्यिक पत्राचार से छात्रों को अवगत कराना।
5. दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग से अवगत कराना।
6. व्यावहारिक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौशल को विकसित करना।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. XV SEM. VI

[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 4

• **अध्ययनार्थ विषय**

इकाई 1 अनुवाद (**Lectures 15, Credit 1**)

1 अनुवाद : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

2. अनुवाद के प्रकार

3 अनुवादक के गुण

4 सफल अनुवाद की विशेषताएँ

इकाई 2 विज्ञापन (**Lectures 15, Credit 1**)

1. विज्ञापन : परिभाषा एवं स्वरूप

2. विज्ञापन के तत्व

3. विज्ञापन के प्रकार

4. विज्ञापन का महत्त्व

इकाई 3 वाणिज्य पत्राचार (**Lectures 15, Credit 1**)

1. वाणिज्य पत्राचार : स्वरूप एवं प्रकार
2. पूछताछ पत्र
3. क्रयादेश पत्र
4. भुगतान पत्र
5. शिकायती पत्र

इकाई 4 व्यावहारिक हिंदी (**Lectures 15, Credit 1**)

1. व्यावहारिक अनुवाद (मराठी/अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी में अनुवाद)
2. आकाशवाणी, रेल, प्रेस, दूरदर्शन, बैंक में प्रयुक्त प्रयोजनमूलक हिंदी (प्रत्यक्ष भेंट तथा निरीक्षण के आधार वृत्तांत लेखन)
3. विज्ञापन लेखन (विषय या चित्र के आधार पर)
4. जीवन वृत्त (बायोडाटा) लेखन

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1 बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2 लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
	————
कुल अंकः 40	

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-VI	Name of the New Paper SEM-VI
1.	व्यावहारिक हिंदी	व्यावहारिक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ

1. विनोद गोदरे – प्रयोजनमूलक हिंदी
2. डॉ.सुनीलकुमार लवटे – हिंदी वेब साहित्य
3. डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्त – प्रयोजनमूलक हिंदी
4. डॉ.हरिमोहन – कंप्यूटर और हिंदी
5. डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी – अनुप्रायोगिक हिंदी
6. डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी – व्यावहारिक हिंदी और रचना
7. डॉ.दंगल झालटे – प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दांत और प्रयोग
8. कैलाशनाथ पांडेय – प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका
9. www.cdacnoida.in
10. www.egyankosh.ac.in
11. ctb.rajbhasha.gov.in.

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. V

Paper No. XI

हिंदी भाषा

With effect from June - 2021-2022

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष प्रश्नपत्र कमांक 11

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

पाँचवा सत्र

प्रस्तावना :

हिंदी भारत की सर्वाधिक व्यावहारिक भाषा है। वस्तुतः हिंदी भारतीय लोकभाषाओं का समूह है। भारत के भाषिक दायरे में हम यह पाते हैं कि विदेशी यात्रियों ने भारत की लोकभाषाओं को ही हिंदी भाषा कहा। अतः हिंदी भारतीय लोगों के वैचारिक आदान–प्रदान का साधन निरंतर बनी रही है। भारतीय इतिहास के साथ–साथ हिंदी भाषा परिवर्तन के दौर पार करते–करते लोकभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और विश्वभाषा तक पहुँच चुकी है। 14 सितम्बर 1949 को भारतीय संविधान की धारा 343 (1) के तहत हिंदी भारत की राजभाषा बनी। संविधान सभा ने हिंदी को राष्ट्रहित वर्धिनी माना और इस उत्तरदायित्व को हिंदी ने निरंतर निभाया भी है। भारतीय विकास में हिंदी भाषा सहयोगी रही है। आज हम पाते हैं कि, हिंदी केवल बोलचाल या साहित्य की भाषा तक सीमित नहीं रही बल्कि वह राजनीति, ज्ञान–विज्ञान, शिक्षा, कार्यालयीन व्यवहार, मीडिया, सूचना–प्रौद्योगिकी, बाजार एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी जनसंपर्क की भाषा का दायित्व निभा रही है। अतः हिंदी भाषा का अध्ययन हर भारतीय को आत्मनिर्भर बनने के लिए नितांत आवश्यक हो गया है, प्रस्तुत पाठ्यक्रम इसकी पूर्ति करता है।

उद्देश्य :

1. हिंदी का सामान्य परिचय कराना।
2. भाषा के विविध रूपों का परिचित कराना।
3. हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
4. भाषा की शुध्दता के प्रति छात्रों को जाग्रत कराना।
5. मानक हिंदी विर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना।
6. छात्रों को भाषायी कौशल के प्रति जाग्रत कराना।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. XI SEM. V

[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 4

• **अध्ययनार्थ विषय**

इकाई 1 भाषाः परिभाषा और रूप (**Lectures 15, Credit 1**)

1 भाषा की परिभाषा एवं उसकी विशेषताएँ

2 भाषा के विविध रूप : बोली, परिनिष्ठित भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा

इकाई 2 हिंदी भाषा और बोलियाँ (**Lectures 15, Credit 1**)

1. हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति एवं हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास

2. हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय : ब्रज, अवधी, मैथिली, भोजपुरी, खड़ीबोली

इकाई 3 हिंदी शब्द समूह और कौशल (**Lectures 15, Credit 1**)

1. हिंदी का शब्द समूह : तत्सम, तदभव, देशज, विदेशी शब्दों का सोदाहरण परिचय

2. भाषायी कौशल : श्रवण कौशल, पठन कौशल, मौखिक कौशल, अभिव्यक्ति कौशल, लेखन कौशल

इकाई 4 देवनागरी लिपि (**Lectures 15, Credit 1**)

1. देवनागरी लिपि : उद्‌भव एवं विकास
2. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और वैज्ञानिकता

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1	बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2	लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3	दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4	दीर्घोत्तरी प्रश्न	10

कुल अंकः 40

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-V	Name of the New Paper SEM-V
1.	हिंदी भाषा	हिंदी भाषा

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.धीरेंद्र वर्मा – हिंदी भाषा का इतिहास
2. डॉ.उदयनारायण तिवारी – हिंदी भाषा : का उद्भव और विकास
3. डॉ.हरदेव बाहरी – हिंदी : उद्भव विकास और रूप
4. डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी भाषा का इतिहास
5. डॉ.नरेश मिश्र – नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ
6. डॉ.भोलानाथ तिवारी – हिंदी भाषा की लिपि संरचना
7. मोहन ब्रिज – नागरी लिपि : रूप और सुधार
8. डॉ.परमानंद पाचांळ – हिंदी भाषा, राजभाषा और नागरी लिपि
9. डॉ.अंबादास देशमुख – भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण
10.डॉ.सुभाष सिंह – भाषा प्रौद्योगिकी

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. III Hindi Sem. VI

Paper No. XVI

भाषा विज्ञान

With effect from June 2021-22

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

हिंदी विशेष प्रश्नपत्र कमांक 16

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–23, 2023–24

परीक्षाएँ : 2021, 2022, 2023, 2024

छठा सत्र

प्रस्तावना :

मन और मस्तिष्क की संयुक्त प्रक्रिया से उत्पन्न विचारों की मौखिक प्रकट अभिव्यक्ति भाषा है। यह भाषा प्रतिकात्मक होती है, जिसके द्वारा मानव अपने विचार दूसरों पर प्रकट करता है। उस वैचारिक आदान–प्रदान की प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन करने की विशिष्ट पध्दति भाषा विज्ञान है। भाषा विज्ञान को सबसे पहले कंपरेटीव (Comparative Grammar) ग्रामर कहा जाता था। कुछ समय के पश्चात कंपरेटीव फिलालोजी (Comparative Philology) नाम रखा गया। आगे चलकर फिलालोजी तथा लिंग्विस्टिक्स (Linguistic) नाम दिए गए। आधुनिक समय में भाषा विज्ञान, भाषाशास्त्र, भाषा विचार, भाषालोचन तथा तुलनात्मक भाषा विज्ञान आदि नाम दिए गए। इस सब में भाषा विज्ञान शब्द ही सर्वसम्मत तथा सर्वाधिक प्रचलित है। जन्मजात अनुकरण की प्रवृत्ति के कारण मनुष्य को भाषा तो मिल जाती है किन्तु उस भाषा का विशेष ज्ञान उसे भाषा विज्ञान से मिलता है। मनुष्य जीवन व्यवहार में भाषा के माध्यम से समाज में संपर्क तो स्थापित करता है। लेकिन भाषा उच्चारण से लेकर ग्रहण करने की स्थिति तक शरीर के अंदर चलनेवाली प्रक्रिया वैसे मनुष्य को आश्चर्य चकित करनेवाली है क्योंकि यह सारी प्रक्रिया शरीर में प्रकृतिगत रूप में निरंतर चलती रहती है। इसका वैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन करने की प्रक्रिया भाषा विज्ञान है। भाषा की उत्पत्ति, गठन, प्रकृति एवं विकास आदि की सम्यक परिभाषा करते हुए सिध्दांतों का निर्धारण भाषा विज्ञान करता है। भाषा के रूप में ध्वनि का उच्चारण, संवहन और श्रवण की प्रक्रिया से मनुष्य अनभिज्ञ है। इसे जानने के लिए मनुष्य की जिज्ञासा निरंतर बनी हुई है। इस जिज्ञासा की पूर्ति भाषा विज्ञान करता है।

उद्देश्य :

1. भाषा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान कराना।
2. भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय कराना।
3. ध्वनि उच्चारण प्रक्रिया से परिचित कराना।
4. उच्चारण की शुध्दता के प्रति जाग्रत कराना।
5. पद और अर्थ से परिचित कराना।

CBCS PATTERN B. A. III PEPER NO. XVI SEM. VI

[Credits : Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 4

- **अध्ययनार्थ विषय**

इकाई 1 भाषाविज्ञान **(Lectures 15, Credit 1)**

1 भाषाविज्ञान : भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान नामकरण एवं इतिहास

भाषाविज्ञान विज्ञान है या कला ? भाषाविज्ञान की व्याकरण से तुलना

इकाई 2 ध्वनि विज्ञान **(Lectures 15, Credit 1)**

1. ध्वनि विज्ञान (स्वन विज्ञान)– स्वन का अर्थ, परिभाषा, भाषा ध्वनि,

ध्वनियंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिया), स्वन गुण (ध्वनि गुण)

इकाई 3 पद विज्ञान और वाक्य विज्ञान **(Lectures 15, Credit 1)**

1. पद विज्ञान : शब्द और पद, पद और संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार
2. वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ,

अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार

इकाई 4 अर्थ विज्ञान तथा समाज भाषाविज्ञान **(Lectures 15, Credit 1)**

1. अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

अर्थ परिवर्तन के प्रमुख कारण

2. समाज भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं संकल्पना, भाषा और संस्कृति

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नः1 बहुविकल्पी आठ प्रश्न	08
प्रश्नः2 लघुत्तरी प्रश्न–दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4)	12
प्रश्नः3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
प्रश्नः4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	10

कुल अंकः 40

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-VI	Name of the New Paper SEM-VI
1.	भाषा विज्ञान	भाषा विज्ञान

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बाबूराव सक्सेना – सामान्य भाषा विज्ञान
2. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा – भाषाविज्ञान की भूमिका
3. भोलानाथ तिवारी – भाषा विज्ञान
4. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र
5. डॉ. राजमणि शर्मा – आधुनिक भाषाविज्ञान
6. डॉ. ज्ञानराज गायकवाड – भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय
7. डॉ. तेजपाल चौधरी – भाषाविज्ञान
8. डॉ. अंबादास देशमुख – भाषाविज्ञान एवं भाषा विचार
9. शिवबालक चतुर्वेदी – भाषाविज्ञान
10. डॉ. कृष्णा पोतदार – भाषाविज्ञान एवं भाषा विचार
11. कविता रस्तोगी – समसामयिक अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान
12. कृपाशंकर सिंह – आधुनिक भाषाविज्ञान
13. दानबहादुर पाठक – भाषाविज्ञान
14. भोलानाथ तिवारी – हिंदी भाषा की संरचना

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

Name of faculty : Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B.A. Hindi Sem. VI

Certificate Course In Rojgarparak Hindi

रोजगारपरक हिंदी (प्रमाणपत्र कोर्स)

With effect form June 2021-22

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

तृतीय वर्ष कला, बी.ए. भाग तीन

रोजगारपरक हिंदी (प्रमाणपत्र कोर्स)

अध्यापन वर्ष : 2021–22, 2022–2023, 2023–2024

परिचय /Introduction

साहित्य एवं भाषा का अध्ययन करने के उपरान्त केवल ज्ञान की प्राप्ति नहीं बल्कि जीवनयापन करने के लिए एक अच्छे रोजगार की भी आवश्यकता होती है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यक्रम बनाया गया है। हिंदी में ऐसे कौनसे क्षेत्र हैं उसकी जानकारी तथा उससे जुड़ा हुआ पाठ्यक्रम इस प्रश्नपत्र में रखा गया है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य /Course objectve

1. हिंदी के प्रति छात्रों की रूझान बढ़ाना।
2. हिंदी में होनेवाले रोजगार के क्षेत्रों से अवगत कराना।
3. रोजगार प्राप्ति के लिए आवश्यक कौशल से अवगत कराना।
4. नौकरी हेतु आवश्यक पाठ्यक्रम का अध्ययन कराना।

CBCS Pattern B.A. Hindi Sem. VI

Certificate Course In Rojgarparak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : रोजगारपरक हिंदी (प्रमाणपत्र कोर्स)

(Credit Theory (04) Practical (00)

Total Theory Lecture (60) Credit 4

अध्ययनार्थ विषय

इकाई 1 हिंदी भाषा का सामान्य अध्ययन — Lecture-15, Credit-1

- हिंदी का सामान्य अध्ययन
- हिंदी व्याकरण : विलोम, वाक्य एवं वर्तनी शुध्दि, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, तत्सम एवं तद्भव शब्द, पर्यायवाची शब्द
- अनुवाद का स्वरूप तथा द्विभाषिक ज्ञान : हिंदी–अंग्रेजी
- भाषिक सम्प्रेषण कौशल
- लेखन कौशल

इकाई 2 प्रयोजनमूलक हिंदी और रोजगार — Lecture-15, Credit-1

हिंदी के द्वारा प्रशासकीय क्षेत्र में रोजगार

- राजभाषा अधिकारी
- हिंदी अधिकारी
- हिंदी अनुवादक

इकाई 3 हिंदी भाषा कौशल — Lecture-15, Credit-1

हिंदी में वाक्चातुर्य के द्वारा रोजगार

- निवेदक
- रेडियो जॉकी
- समाचार वाचक
- पर्यटन मार्गदर्शक

इकाई 4 हिंदी लेखन और रोजगार — Lecture-15, Credit-1

हिंदी में लेखन के द्वारा रोजगार

- पटकथा लेखन

- संवाद लेखन
- गीतकार
- संपादक
- समाचार लेखक
- प्रूफ शोधन

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	रोजगारपरक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडियाकालीन हिंदी का स्वरूप एवं संभावनाएँ–डॉ. अर्जुन चव्हाण,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
2. संपादन पृष्ठसज्जा और मुद्रण–प्रो.रमेश जैन
3. व्यावसायिक हिंदी–प्रो.रहमतुल्ला, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बदलते आयाम–डॉ.मिश्र,डॉ.अमरनाथ
5. लेखन संपादन और मुद्रण–ओम गुप्ता